



न्यायालय श्रीमान कोठेर महोदय, जिला राजगढ़, ब्या

राजस्थान मंडल अफिस कच्छ

(201)

(44)

1- मेहराजजी पितागजरा खां रिज जाति मुसलमान

नि 0 साहूखेडी तह. नरीसहगढी जलाराजगढ

— अधिविका

नि 0

रिखीजन कस्तार

1- सदर खां पिता मुनखर खां जाति मुसलमान

2- ममावर खां पिता दिलावर खां मुसलमान

सर्वीन 0 गाम साहूखेडी तह. नरीसहगढ //

3- नन्मूलाल पितारामलाल जाति बांती

नि 0 गाम निपान्यावेला तहसील नरीसहगढ

— अधिविका रिखा.

Handwritten notes in Hindi, including 'R II', 'R 2657-I/12', and other illegible scribbles.

19/3/12 महोदय.

पुनरीक्षण अधिन अंतर्गत धारा 50 म 0 प्र 0 धारा 59

प्रस्तुत पुनरीक्षण पारित आदेश दिनांक 3. 3. 12 के आदेश से दुखी एवं असंतुष्ट होकर निम्न आधारों पर प्रस्तुत है:-

1- न्यायालय के अधीन आदेश दिनांक 3. 3. 12 के आदेश से दुखी एवं असंतुष्ट होकर निम्न आधारों पर प्रस्तुत है:-

2- यही गाम निपान्यावेला तहसील नरीसहगढ में 201 रकबा 0. 771 हेक्. की भूमि स्थ. गजराखां पिता नत्थे खां नामसे थी, उनकी मृत्युके उपरांत उनकी पुत्री मेहराजजी और रसहन बी के नाम होना थी। लेकिन तत्कालीन प्रहवारी द्वारा

प्रहवारी 206 रकबा 0. 215 व सर्वे 258 रकबा 0. 2012 हेक्. की भूमि का नामांतरण तो मेहराजजी एवं रसहन बी पितागजरा खां नामसे किया गया, लेकिन सर्वे 201 रकबा 0. 771 हेक्. की भूमि का नाम बिना कोई रिकॉर्ड

हूये बिना राजगढ़ी हूये, पूर्ण तरीके से बाला-2 मनमाने रूप से तत्कालीन प्रहवारी बालाप्रसाद द्वारा नन्मूलाल पिता रामलाल खांती के नाम पर नामांतरण कर दिया एवं कब्जा भी उसी के नाम से दर्ज किया।

यह हेक्. सर्वे 201 रकबा 0. 771 हेक्. की भूमि गजरा खां द्वारा नन्मूलाल पिता रामलाल खांती को काली भी विवक्ष्य नहीं की गई है। न कोई रिकॉर्ड भी है

कि गजरा खां की भूमि पर उनकी पुत्री मेहराजजी एवं रसहन बी के नाम से नामांतरण किया गया है।

दुखी एवं असंतुष्ट होकर निम्न आधारों पर प्रस्तुत है:-

3- न्यायालय के अधीन आदेश दिनांक 3. 3. 12 के आदेश से दुखी एवं असंतुष्ट होकर निम्न आधारों पर प्रस्तुत है:-

Handwritten signature or initials at the bottom right.

-तरीके से नामांतरण करके कब्जा भी दर्ज किया है जोकि निरस्तती योग्य है और आपराधिक प्रकरण की श्रेणी में शीघ्र प्रकरण आता है, ।

3/यह रिकॉर्ड नं. 259 रकबा 0.721 हे.क. एवं सर्वे. 277 रकबा 0.266 हे.क. की भूमि गजराबा के नाम पर दर्ज थी, उपरोक्त भूमि के वह एक मात्र स्वामी होते थे। क्योंकि उक्त भूमि पैत्रिक नहीं थी एवं एक मात्र स्वामी गजरा बाबा थे।

उनकी मृत्यु के बाद उनकी पुत्री मेहराजबी एवं रईसन बी कानाम उक्त भूमि पर दर्ज होना था। लेकिन तत्कालीन पटवारी बालाप्रसाद द्वारा फर्जी तरीके से रिकॉर्ड में हेराफेरा कर सर्वे. 259/2 रकबा 0.102 की भूमि का नामांतरण किया गेज भूमि का नामांतरण नहीं किया है। रिकॉर्ड मांगने पर पटवारी रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराता है। स्पष्ट है कि उपरोक्त भूमि मेहराज बी, रईसन बी के नाम होना थी, लेकिन केवल रकबा 0.102 हे.क.

भूमि कानामांतरण किया है गेज भूमि रकबा 0.721 हे.क. 0.266 हे.क. भूमि पर नामांतरण नहीं किया गया है। जबकि रिकॉर्ड में उपरोक्त भूमि गजरा के नाम पर दर्ज है। गजरा बाबा के नाम से 11 वैसे भूमि दर्ज नहीं है। जबकि यह पूर्ण भूमि के स्वामी है। इस तरह सर्वे क्रं. 259 रकबा 0.721 हे.क. एवं 277 रकबा 0.266 हे.क. की भूमि की एक मात्र स्वामी मेहराज बी व रईसन बी है उनके नाम पर नामांतरण होना था। प्रस्तुत प्रकरण में पर्याप्त दस्तावेज व साक्ष्य प्रस्तुत की गई है फिर भी अधीनस्थ न्यायालय ने त्रुटि करके नामांतरण नहीं किया है इसीलिये आलोच्य आदेश निरस्तती योग्य है।

प्रकरण में पुनः सुनवाई के जाना न्याय विहित में आवश्यक है तार्किक पुनरीक्षण कर्ता को न्याय मिले।

4/बर्खास्त पारित आदेश में माननीय न्यायालय ने यह माना है कि ग्राम साहूखेड़ी एवं निमान्याबेला स्थित शामलाती खाते के बंटवारे में आवेदिका का विहित प्रभावित हुआ है। जिससे कि आवेदिका को बंटवारे के विरुद्ध संबंधित न्यायालय में अपील प्रस्तुत करना चाहिए लेकिन माननीय न्यायालय ने पुनरीक्षण कर्ता को नामांतरण के विषय में मौन रखा है, एवं मन्मूलाल पिता रामलाल खाती - द्वारा कोई दस्तावेज नहीं होने के बाद भी सर्वे क्रं. 201 रकबा 0.771 हे.क. पर

उसका नाम दर्ज होना एवं कब्जा दर्ज होना माना है। जबकि उसके पास कोई रिकॉर्ड दस्तावेज उपलब्ध नहीं है इसीलिये आलोच्य आदेश निरस्तती योग्य है।

5- अन्य प्रकरण के मुद्दे बहस के दौरान प्रस्तुत किये जायेंगे। प्रस्तुत प्रकरण में रिजर्वेशन रिजर्वेशन नियत समय अर्थात् नकल प्राप्ति दिनांक 6.3.12 से अंदर स्यादमें प्रस्तुत है जिस पर उचित न्यायिक चर्चा की जा है। जो सुनने का श्रवणाधिकारी माननीय न्यायालय को प्राप्त है।

12  
अर्जा

प-21  
प-22  
प-23

270

...

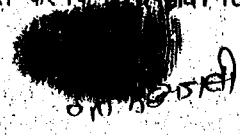
अतः माननीय महोदय से विनम्र निवेदन है कि प्रस्तुत बिपीजनस्वीकार कीजावे एवं विद्वान अधीनस्थ दफ्तरायालय द्वारा पारित आदेश दिनांक 3.3.2012 प्रकरणक्रमांक 5/बी-121/11-12 निरस्त कियाजावे। और प्रकरण में मेहराज बी के नाम सर्वेनं. 201 रकबा 0.771 हेक. भूमि ग्राम निपान्याबेला पर नामांतरण किओ जाने के आदेश प्रदान होवे।

पु  
मान  
मान

2-कि ग्रामसाहूड़ी सर्वेनं. 259 रकबा 0.721 हेक. एवं सर्वेनं. 277 रकबा 0.266 हेक. भूमि पर भी मेहराज बी एवं रहसिन बी का नामांतरणी क्येजाने के आदेशप्रदान होवे ।

पदकमा

3-यहाँक उपलब्ध रिकार्ड एवं फर्जी रिकार्डके आधार पर नन्मूलाल पिप्ता रामलाल खाती का जो कब्जा दर्जी कपा है वह भी निरस्त करनेके आदेशप्रदान होवे। यही विनय है।



राजगढ़

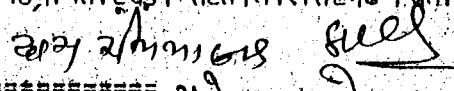
दिनांक 2.4.12



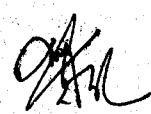
पुनरीक्षणकर्ता

द्वारा मेहराजबी पितागजराखां मुसलमान

नि०ग्रामसाहूड़ी तहसीलनरीसहगढ़ जिलाराजगढ़//



===== सुरेंद्र खन्ना



R 2657-I / 12 राजगढ़  
मेहराजजी / सिविल वां आर

8-6-2017

आवेदक की ओर से कोई  
उपाख्यत नहीं। यह प्रमाण वर्ष  
2012 से लाम्बित है। दिनांक  
31.7.2013 की पेशी पर आवेदक  
की ओर से श्री राम सेवक शर्मा  
आभिभाषक उपाख्यत हुये हैं। तब  
से 4 वर्ष का समय व्यतीत होने के  
उपलक्ष्य भी कोई उपाख्यत नहीं  
हुआ है। अतः प्रमाण के  
निराकरण में आवेदक के हार्थ  
नहीं लाने से प्रमाण समाप्त  
किया जाता है।

अध्यक्ष